

## बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट

**KEDIA**  
**सेजस्थान**

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

Ajmer Road, Jaipur

FIXED  
PRICE

📍 एम.आई. रोड से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN  
DIRECT TO  
CUSTOMER

### N P O NEW PRODUCT OFFER

#### WALK-UP APARTMENT

2BHK	GROUND FLOOR	1350 Sq Ft	45 LACS
3BHK	2ND FLOOR	1900 Sq Ft	50 LACS
3BHK	1ST FLOOR	1900 Sq Ft	55 LACS

#### KOTHI

KOTHI BIG	3BHK	2000 Sq Ft	60 LACS
KOTHI BIGGER	4BHK	2325 Sq Ft	70 LACS
KOTHI BIGGEST	4BHK+M+S	3200 Sq Ft	1 CRORE



www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

**KEDIA**

📞 78770 72737  
✉ info@kedia.com 🌐 www.kedia.com

LOCATION  
QR CODE







# राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Soulful Dining at Hyatt Regency Innovation of modern cooking technology has & always will be celebrated

The face-off moment with the PLA

And on 29 April 1992 the Indian National Flag was hoisted at the RCP with full military symbolism.

Toddlers Helping Dogs



नीले, नीले-हरे और पीले-हरे पंखों वाले पक्षी ना केवल बर्डवॉचर्स को अभिभूत करते हैं बल्कि संरक्षणवादियों को साँग बर्ड्स के संरक्षण के लिए प्रेरित भी करते हैं। तथापि, यह खूबसूरती लोगों के मन में इन पक्षियों को पालतू बनाने की इच्छा भी जगाती है। हाल ही में प्रकाशित एक शोध से पता चला है कि, इन रंगों की वजह से ही साँग बर्ड्स के लिए खतरा बढ़ रहा है। शोध लेखक रिबैका सीनियर, जो यू.के. की डरहम यूनिवर्सिटी में कंजर्वेशन बायोलॉजिस्ट हैं, ने अपनी टीम के साथ आई. यू. सी. एन. के तीन डेटा सैट की तुलना की। इसमें रंग, वन्यजीवों के व्यापार व आई. यू. सी. एन. की रैंड लिस्ट के अनुसार विलुप्त के खतरे को नापा गया। इस विश्लेषण में सामने आया कि, शोख रंगों वाली 500 पक्षी प्रजातियों को भविष्य में अवैध व्यापार का खतरा है। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि, जब वो प्रजातियाँ, जिनका बड़े पैमाने पर व्यापार होता है, दुर्लभ हो जाती हैं तो लोग उसी के जैसी दूसरी प्रजातियों का रुख कर लेते हैं। उन्होंने कहा, ट्रॉपिकल साँग बर्ड, जैसे चित्र में नजर आ रही ब्राजीलियन टैन्जर, के प्रति लोगों का लगाव एक सदी पुराना है। उदाहरण के लिए, सन् 1891 में ब्रिटिश नैचुरलिस्ट, एल्फ्रेड रसल वॉलेंस ने लिखा था कि "ट्रॉपिकस के लगभग हर भाग में आकर्षक रंगों वाली चिड़ियों की संख्या बहुत अधिक है।" सीनियर व उनकी टीम सन् 2022 में इस बात की पुष्टि कर पाई। उन्होंने इसके लिए विश्व की 5358 पक्षी प्रजातियों के रंगों की तुलना की। लेकिन शोध लेखक यह जानकर हैरान थे कि, सफेद रंग के पक्षियों को भी अवैध व्यापार से गंभीर खतरा है। उदाहरण के लिए, बाली की विख्यात मैना एकदम सफेद है। इसके दूध जैसे सफेद रंग ने जहाँ संरक्षणवादियों को इसके संरक्षण की प्रेरणा दी, वहीं, इसके लिए खतरा भी बढ़ाया है। शोध लेखकों ने कहा कि, ट्रॉपिकस की संकटग्रस्त प्रजातियों को अवैध व्यापार से संरक्षित करके प्रकृति की खूबसूरती कायम रखी जा सकती है। लेकिन सांस्कृतिक परम्पराओं का सम्मान करना भी जरूरी है। जैसे इण्डोनेशिया में साँगबर्ड घर में रखना प्रतिष्ठा का प्रतीक है और स्थानीय आदिवासी लोग इनके पंखों व चोंच का प्रयोग करते हैं। सीनियर ने कहा कि, पक्षियों को पकड़ने या मारने के बजाय हमें लोगों को इनकी तस्वीर खींचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

## सोनिया गांधी की विदाई के बाद "सीन" बदला अधिवेशन में

अधिकतर वरिष्ठ नेता झण्डा रोहण के बाद, खड़गे के पीछे-पीछे चल दिये स्टेज पर तथा गांधी परिवार असमंजस में खड़े अपनी सीट खोजते नज़र आये

—रेणु मिश्र—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नवा रायपुर, 25 फरवरी। कांग्रेस अधिवेशन में आज सोनिया गांधी को भावभीनी विदाई दी गई। क्योंकि 22 साल तक इस कठिन दायित्वपूर्ण पद पर रहने के बाद उन्होंने पद त्याग दिया था। 1997 के बाद, यह पहला अवसर था, जब एक गैर-गांधी मल्लिकार्जुन खड़गे ने गांधी परिवार के तीन प्रमुख सदस्यों की मौजूदगी में सत्र की अध्यक्षता की। ध्वजारोहण के बाद, जब गांधी परिवार के तीनों व्यक्ति मंच पर चढ़े तो सहज दिखाई दे रहे थे। अधिकांश वरिष्ठ नेता खड़गे के पीछे चलते हुये, उन्हें एक्साट करते हुये उनकी सीट तक ले गये तथा गांधी परिवार अपने तरिके से मंच पर पहुंचा तथा बैठने के लिये अपनी सीट ढूँढी।

- डैलिगेट्स की ओर से राहुल गांधी के लिये नारे नहीं लगे, जैसे अब तक होता आया है।
- अधिवेशन में सोनिया गांधी पर बनी एक फिल्म भी दिखायी गयी, जिसमें सोनिया गांधी के बलिदान (प्र.मंत्री का पद न संभालना) व मनमोहन सिंह का प्र.मंत्री पद के लिये नाम प्रस्तावित करने को "हाई लाईट" किया गया।
- पंडाल में मुख्य चर्चा इस बात पर थी कि, गांधी परिवार की पार्टी के मुताल्लिक अब क्या भूमिका रहेगी। अब रायबरेली से कौन सा गांधी चुनाव लड़ेगा।
- कार्यवाही के दौरान कई संशोधन किये गये, पार्टी के संविधान में, जैसे, अब कांग्रेसजन के लिये खादी ही पहनना अनिवार्य नहीं होगा तथा कांग्रेसजन को सार्वजनिक रूपसे मदिरा पान की अनुमति मिली।
- पूर्व पार्टी अध्यक्ष, पूर्व प्र.मंत्री, लोकसभा व राज्यसभा में पार्टी नेताओं को स्वतः ही जीवन पर्यन्त सी.डब्ल्यू.सी. की सदस्यता प्राप्त होगी।
- हर पार्टी अधिवेशन की भांति "सेफ वक्ताओं," को जैसे प्रदेशाध्यक्ष, प्रवक्ता आदि, को ही बैठक को संबोधित करने का मौका मिला, आम डैलिगेट को अवसर नहीं मिला बोलने का। एक फर्क जरूर था, वरिष्ठ नेता अधिकतर चुप रहे तथा युवाओं ने माइक संभाला।

सत्ता बदल गई थी और उसके साथ ही, गांधी परिवार के लिये पूरा माहौल ही मानो बदल गया था। कांग्रेस प्रतिनिधि आज राहुल को महिमामंडित करने वाले नारे नहीं लगा रहे थे, जैसा कि पहले हुआ करता था। पंडाल के अधिकांश हिस्सों में

प्रतिनिधियों के बीच चल रही चर्चाएं गांधी परिवार, उनके राजनैतिक भविष्य तथा अब आगे पार्टी में उनकी भूमिका पर केन्द्रित थीं। जब शाम होने को थी, उस समय ये तीनों ही मंच से चल दिये तथा श्योपुर में स्थित किसी मंदिर के दर्शन करने चले

गये, हालाँकि सत्र अभी चल रहा था तथा प्रतिनिधिगण (डैलिगेट्स) भाषण दे रहे थे। अधिवेशन में सोनिया गांधी पर एक छोटी सी फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल की प्रमुख घटनाएं दर्शायी गई

थीं- किस तरह से वे पार्टी को दो बार सत्ता में लाईं, किस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पद को कुर्बानी दी तथा डॉ. मनमोहन सिंह को यू.पी.ए. के प्रधानमंत्री पद पर आसीन किया। रोचक चीज आपने भाषण के बीच, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

**कान की मशीनें**  
फ्री सुनाई की जाँच  
CALL FOR APPOINTMENT  
+91 94602 07080  
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS  
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR  
www.perfecthearingolutions.com

## क्या कांग्रेस ने विपक्ष के गठबंधन के नेतृत्व का इरादा त्याग दिया

क्या अब कांग्रेस ऐसे गठबंधन का हिस्सा बनकर संतुष्टि पा लेगी?

### रोहिंग्या परिवार के खिलाफ मामला दर्ज

बस्सी, (निसं)। उपखंड के कानोता थाना इलाके में 14 साल से अवैध रूप से रह रहे एक रोहिंग्या परिवार के खिलाफ पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

बस्सी एसीपी मेघचंद मीणा की ओर से थाने में दर्ज मुकदमे के मुताबिक रोहिंग्या अब्दुल गफूर अपनी मां, पत्नी और दो बेटियों के साथ थाना इलाके के आगरा रोड स्थित न्यू बागाना कॉलोनी में निवास कर रहा था। गत साल तत्कालीन एसीपी सुरेश

यह परिवार कानोता में 14 साल से अवैध रूप से रह रहा था।

सांखला ने भी शिकायत मिलने के बाद रोहिंग्या के खिलाफ जांच की थी। अब एसीपी की ओर से दर्ज मुकदमे में कानोता थानाधिकारी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक एसीपी की ओर से रोहिंग्या अब्दुल गफूर, गुलबहर, हुमो बेगम, सफा और मरवा के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जानकारी में आया है कि, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सख्त मल (कब्ज) व पेट की परेशानियों का आयुर्वेदिक उपचार

जगवृषी

www.jagraviherbal.com

—रेणु मिश्र—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नवा रायपुर, 25 फरवरी। क्या कांग्रेस ने विपक्षी पार्टियों के किसी संभावित गठबंधन का नेतृत्व करने का अपना पूर्व फार्मूला त्याग दिया है और अब वह भाजपा का मुकाबला करने के लिए साझी सोच रखने वाली विपक्षी पार्टियों के किसी गठबंधन के बारे में ही बात कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने नागालैंड में कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि उनकी पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष के गठबंधन का नेतृत्व करेगी, लेकिन कांग्रेस महाधिवेशन में जो राजनीतिक प्रस्ताव लाया गया है, उसमें गठबंधन के नेतृत्व का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि उसमें केवल साझी सोच वाली धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के गठबंधन की बात कही गई है। राहुल गांधी ने मेघालय की एक रैली में जब तृणमूल की आलोचना की तो उनकी बात खड़गे की बात से बिल्कुल विपरीत थी।

- अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में कांग्रेस के इस नये सोच की पूरी झलक थी।
- अभी कांग्रेस विपक्ष के नेतृत्व के मुद्दे पर स्पष्ट सोच व्यक्त नहीं कर पा रही, पर विपक्ष की अन्य पार्टियों ने जी-8 ग्रुप का गठन भी कर लिया है, जिसमें विपक्ष शासित प्रदेशों के मु.मंत्री व बिहार के उपमुख्यमंत्री शामिल हैं।
- कांग्रेस की अभी भी यह दृष्टि है कि, इन राज्यों में पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश में शासन कर रही पार्टी से गठबंधन करने के पक्ष में नहीं हैं।
- दूसरी दिक्कत यह है कि, विपक्ष की एकता पर प्रदेश दर प्रदेश निर्णय होगा तथा कांग्रेस को "छोटे भाई" की भूमिका निभानी पड़ेगी।

मजेदार बात यह है कि गठबंधन को लेकर कांग्रेस जहां अब भी दबे स्वरो में बात कर रही है, वहीं विपक्षी पार्टियों ने इस मामले में उससे बाजी मार ली है। जी-8 ग्रुप का गठन कर लिया गया है, जिसमें विपक्षी पार्टियों के 7 मुख्यमंत्रियों सहित एक एक मुख्यमंत्री शामिल हैं। इनमें हैं- अरविंद (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

### हर्ष देव सिंह पैथर्स पार्टी के चेयरमैन बने

—जाल खंबाता—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 25 फरवरी। पैथर्स पार्टी के मुख्य संरक्षक अंकित लव, जो कि पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय भीमसिंह के पुत्र हैं, ने शनिवार को 62 वर्षीय हर्ष देव सिंह को पार्टी का चेयरमैन नियुक्त किया। हर्ष देव 2012 से 2022 तक

पार्टी के मुख्य संरक्षक और पार्टी के संस्थापक स्व. भीम सिंह के पुत्र अंकित लव ने 62 वर्षीय हर्ष देव को चेयरमैन पद के लिए पूर्ण योग्य बताया। हर्ष देव 2012 से 2022 तक इस पद पर रह चुके हैं।

इस पद पर रह चुके हैं। एक बयान में अंकित ने कहा कि हर्ष इस पद के सबसे ज्यादा योग्य हैं जम्मु से गरीबी के उन्मूलन के और जम्मु उर्फ डोगरास्तान के लिए अभियान चलाने के लिए सबसे ज्यादा सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि डोगरा समुदाय के लिए यह बेहतरीन कदम होगा। इससे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## अधिवेशन में 15000 डैलिगेट्स आने थे, पर 3500 ही आये

अधिवेशन स्थल रायपुर से 25 किलोमीटर दूर था, अतः आम नेताओं व कार्यकर्ताओं को, विशेषकर दक्षिण भारत के लोगों को, काफी दिक्कत हुई

—रेणु मिश्र—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नवा रायपुर, 25 फरवरी। कांग्रेस के 85वें महाधिवेशन में 15 हजार प्रतिनिधि आने थे, लेकिन ए.आई.सी.सी. के करीब 15 सौ सदस्यों, मीडिया कर्मियों आदि के अलावा पी.सी.सी. के केवल 3 हजार 5 सौ प्रतिनिधि ही इसमें उपस्थित हुए। स्थल काफी कुछ खाली था, लेकिन इसके बावजूद समय से पहले ही भोजन समाप्त हो गया, जिसकी वजह से कई प्रतिनिधियों को कठिनाई का सामना करना पड़ा। पीसीसी के जिन प्रतिनिधियों के पास कार नहीं थी और परिवहन के साधन ना के बराबर थे, उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि महाधिवेशन का स्थल रायपुर से करीब 25 किमी दूर था। दक्षिण भारत के प्रतिनिधियों को भाषा की वजह से काफी परेशानियाँ आईं, क्योंकि यहाँ के

- मीडिया रूम की हालत भी खस्ता थी, न कम्प्यूटर थे, जो आम तौर पर उपलब्ध होते हैं, और न ही गर्मी से बचने का कोई साधन।
- बड़े महारथी नेताओं, आम पत्रकार व आम डैलिगेट्स को उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं में काफी फर्क था।

पुलिसकर्मी सिर्फ हिंदी जानते हैं। मीडिया को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। महाधिवेशन के मुख्य हाल में मीडिया के लिए कुर्सियाँ नहीं थी। मीडिया वालों को एक साइड में बैठकर महाधिवेशन की कार्यवाही को स्क्रीन पर देखना था। जब जयराम रमेश से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि "यह मेरा काम नहीं है।" इन्टरनेट की व्यवस्था भी नहीं थी, जिसके कारण स्टोरीज फाइल करना मुश्किल था। इसके लिए भी जयराम रमेश ने कहा कि "यह मेरा काम नहीं है।" खराब टेलीकम्युनिकेशन्स के

कारण सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों और प्रस्तावों का लाइव टेलीकास्ट नहीं हो सका। इसके लिए जयराम रमेश के कहा कि "यह मेरा काम नहीं है।" मीडिया टैट में भी व्यवस्थाएं बहुत खराब थीं। दिन की भयंकर गर्मी में भी ए.सी. और कुलर काम नहीं कर रहे थे। लेकिन इस समस्याओं का समाधान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से कोई भी मौजूद नहीं था। अधिवेशनों और महाधिवेशनों में अब तक रहे चलने के विपरीत पत्रकारों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## स्टियरिंग कमेटी के नेताओं ने सी.डब्ल्यू.सी. की संख्या में इजाफा क्यों किया?

असल बात यह है कि, उदयपुर संकल्प के अनुसार 50 प्रतिशत हिस्सेदारी 50 से कम उम्र वालों को मिलेगी, ऐसे में कई नेता बाहर हो जाते

- कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्यसभा, लोकसभा में कांग्रेस के नेता, कार्यसमिति के स्वतः सदस्य होंगे।
- अब कांग्रेस में पेपरलैस डिजिटल मैबरशिप ही होगी। सदस्यता फॉर्म में थर्ड जैंडर, ट्रांस जैंडर की चर्चा के साथ मां और पत्नी का नाम भी लिखा जाएगा।

लिए एक और बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस पार्टी के सभी पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर दिया गया है। इसमें अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग के लोग, आदिवासी और महिलाएं शामिल हैं। युवाओं को भी कांग्रेस ने तरजोह दी है। रायपुर

अधिवेशन में पार्टी की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी ने संवैधानिक प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि, मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात थी, जब मुझे एक ऐसी कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया, जो कांग्रेस के संविधान पर काम कर रही थी। सबको राय रही कि, भारत

जोड़ो यात्रा में जो जो लोग राहुल गांधी के साथ आकर यात्रा में शामिल हुए, जिन्होंने अपनी हिस्सेदारी दी, उन्हें स्थान मिले। वे गरीब, आदिवासी, जनजाति, अनुसूचित जाति, जनजाति के लोग थे, महिलाएं - बच्चे थे। यह हम सब का सामूहिक सुझाव था, इसलिए अब इस वर्ष का आरक्षण पार्टी में कर दिया है। इसके बाद संविधान संशोधन कमेटी के संयोजक रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कांग्रेस के संविधान में संशोधन के प्रस्तावों का अनुमोदन करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी। सुरजेवाला ने कहा कि देश की जनता और कार्यकर्ताओं की जन भावनाओं के

आधार पर छोट-बड़े 85 संशोधन किए हैं। आज जब देश पर संकट के बादल हैं, घनघोर अंधेरा है और भारत जोड़ो यात्रा से उम्मीद की एक नई किरण निकली है, तो कांग्रेस का संविधान भी उसको प्रतिबिंबित करे ऐसा हमारा प्रयास है। सुरजेवाला ने कहा कि 6 बड़े संशोधन किए गए हैं। पार्टी में संविधान संशोधन के अनुरूप समाज के अनुसूचित जाति, आदिवासी, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के लिए डैलिगेट्स और सभी पदों पर 50 फीसदी पद आरक्षित होंगे। इसमें 50 फीसदी पदों में पचास वर्ष से कम के लोगों और महिलाओं की भागीदारी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

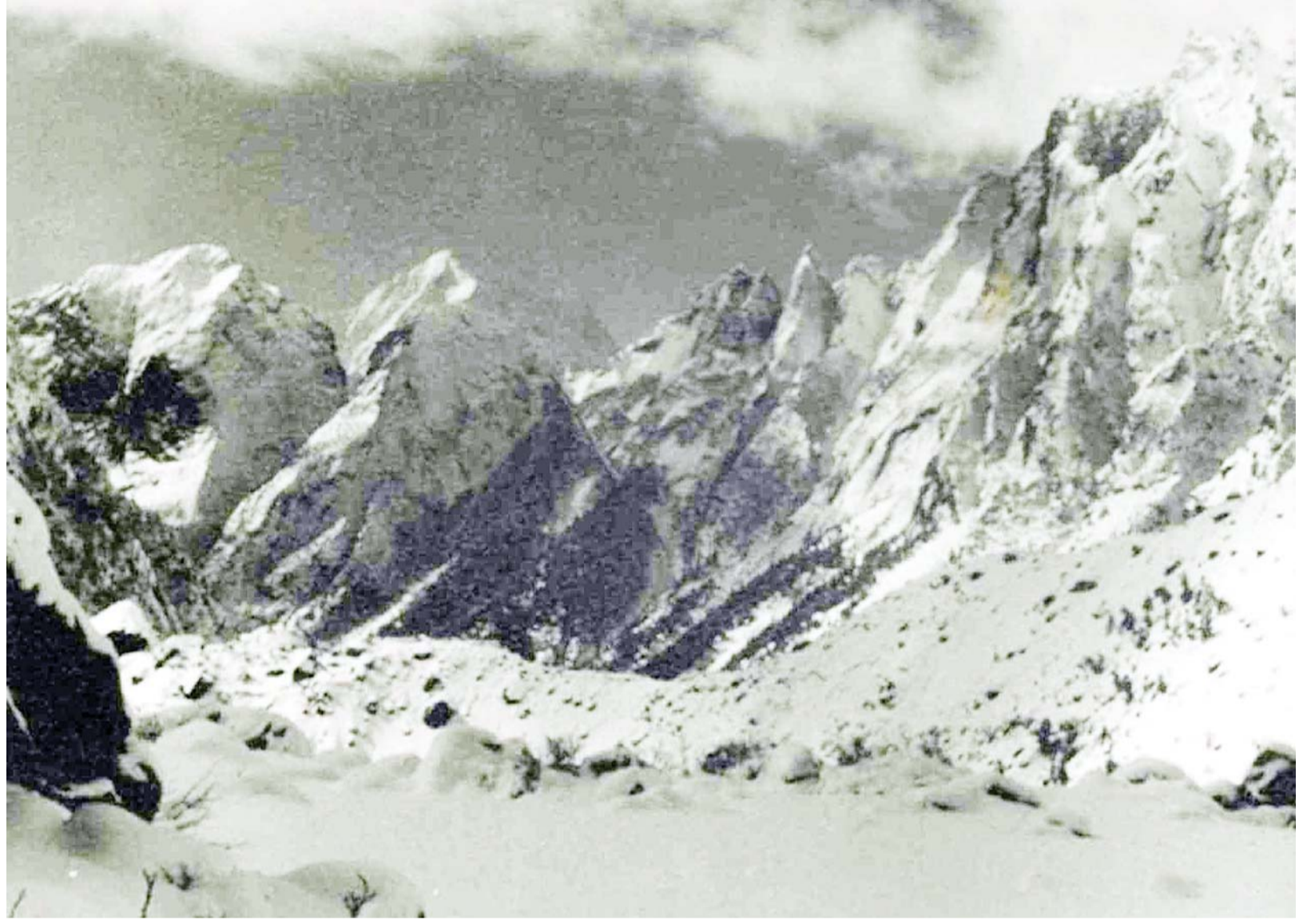
राजस्थान हाई कोर्ट ने सोलर पॉलिसी-2019, की अवहेलना पर वित्त विभाग, डिस्कॉम चेयरमैन, ऊर्जा निगम के प्रबंधक से जवाब तलब किया। अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अरविंद कुमार शर्मा ने पैरवी की। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)





On 12 May 1962, our observation Post reported men and ponies descending Tun Jan La, about two hours' walking time from us. At last, here was the PLA detachment of twenty soldiers with thirty laden ponies on course to Rimkin. We had time to deploy our six LMG's, two MMG's and assemble the remaining 65 soldiers with bolt action rifles, fixed bayonets and charged magazines near the RCP in a show of strength. No one had given us any orders in the event of a showdown and far-flung as we were, our strength lay in instinctive actions.

## The face-off moment with the PLA



### #WAR GAMES

Except for a few bureaucrats and fewer officers of the Army and Air Headquarters in New Delhi, no one else would have heard region of India in February 1962. Happily, it had fallen to my lot to venture out and explore a plausible route for establishing an Army Post in the vicinity of Rimkin to oversee and checkmate attempts of the PLA from intruding across the Sino-Indian border.

I had barely settled into my second "Field" tenure in J&K when I was summoned by my Commanding Officer, Major Shivdev Singh, who looked agitated and, without ado queried angrily, "Have you pulled strings for transfer to a 'Peace Station'?" But before I could gather my wits, he ordered, "Report to Headquarters 9 Infantry Brigade at Lucknow forthwith. Be sure to take the Officers' Bus to Pathankot tomorrow morning".

So in the last week of February 1962, Brigadier Bisheshwar Nath

(A burly six-foot-something with walrus mustachios) showed me a signal from the Army Headquarters marked "Top Secret and Personal for the Commander" directing him in a nutshell (i) to occupy a Company Defended Locality at Rimkin the Soonest but not later than 15 May 1962 (ii) Captain Baljit Singh would command the Special Task Force (STF) till the Rimkin perimeter defence effectively established.

**Terrain Briefing**  
Next, the Brigadier led me to an adjoining room and on a wall covered with maps; he placed his index finger on one spot and said, "This is the Bara Grazing Ground (BGG) which the Chinese threaten to usurp from India. I have personally handpicked one Company of the fittest and most highly motivated soldiers of 14 Rajput Battalion to constitute the STF. Your task lies in inducting them from Joshimath onwards either en-bloc or in dribbles across the Chor Hoti Pass, approximately 17,000 feet ASL. You have a Carte Blanche sanction from the Army Headquarters to hire/purchase specialized equipment, mountain guides, etc., and travel anywhere in the country to do so" (words to that effect).  
Noticing my stricken looks and

becoming empathetic, the Brigadier mentioned, "young man, I have been informed that you are a fresh graduate from the Basic and Advanced Mountaineering Courses under Mr Tenzing's tutelage and have the requisite knowledge and skills to tackle this assignment. So cheer up and get terrain briefing from Lieutenant Colonel KM Pandalai (KMP) of the 14 Rajput who has just returned from Joshimath."

What I learnt next was anything but reassuring. Firstly, there was just one single-lane, 560 k road from Lucknow to Joshimath (the last 300 km stone-paved), which under favourable weather, was a three-day journey for cargo-laden, light trucks. And beyond, a well-beaten 80 km pony track to Ghamsali (10,000 ft ASL) and thence pristine, mostly untrodden 40 to 200 km terra firma to Rimkin! Wisely, the Colonel had already commenced shipment of 30 days' commodities for the STF to Joshimath.

What KMP informed me next was the most worrisome aspect of the STF's capabilities that they had had no previous experience of living and soldiering at High Altitudes. If it was a matter of a few soldiers being attuned to operate in high altitude environment, I could have handled it by myself. But given a large body of 120 and limited time, this vital task was best entrusted to the Ski Warfare School, Gulmarg. The Brigadier agreed readily, organised an airlift to Srinagar and exposed STF to a compressed ten days' training capsule. He also agreed to establish a forward logistics dump at Ghamsali as an urgent priority.

I departed for Darjeeling by the next train and, with Tenzing Sahib's help, hired four B-grade Sherpas, purchased such accessories as charting a route over the



Chor Hoti Pass may require, and together with the Sherpas set out for Joshimath.

We preceded the STF by four days for a fast foray to Rimkin and back. The approach to Chor Hoti Pass lay through a narrow horse-shoe, with ten to fifteen feet deep snow pile. Once the sun touched they are, the ascent was very exhausting. Even for seasoned climbers. The descent on the far side was down a near vertical rock face and we set to fix a Manila hemp rope for two hundred and forty feet on the steepest stretch. The going beyond for about three km was over an almost level, snowed-up plateau, ending at a wet and dangerously slippery rock ledge. Here again, two rope handralls were fixed for two hundred and fifty feet, ending close to the spine of the Rimkin ridge, our ultimate goal spot! We bivouacked for the night, unarmed and taking comfort that the Brigadier did not expect the PLA to show up before mid-may!

Meanwhile, as planned, Captain RS Taragi (Rajinder) had moved to Ghamsali with STF and commenced stocking ten days' worth of

rations at Kala Zabar (12,600 ft ASL), about 10 km enroute Chor Hoti. We decided to make the first push with 30 soldiers, leaving Kala Zabar at 2600 hrs, on April 21, each soldier carrying a personal kit and two days survival rations. The snow on the approaches to Chor was firm and compacted by night but laden with 30 kg, the going was slow and laboured. At 0400 hrs on 22 April. All of us were atop the Chor Hoti saddle.

#### The Airdrop

The descent using fixed ropes was a new experience for the soldiers and almost all of them had to be led by us in relays, one by one. In the event, the last man reached Rimkin at 1845 hrs on 22 April 1962 and, in so doing, consolidated India's claim on BGG. I must admit that the soldiers were so exhausted after the 12 to 16-hour long very demanding day (a few even hallucinating "kiya hum Tibet pahuch gaye Saab") that they could have taken hostages without a murmur at the mere asking.

We were given a radio set of American origin with an independent power source which had to be

cranked manually by two men for the duration of the transmission. But it worked! We communicated the code of having touched base at Rimkin and airdrop of tentage, fuel and basic food.

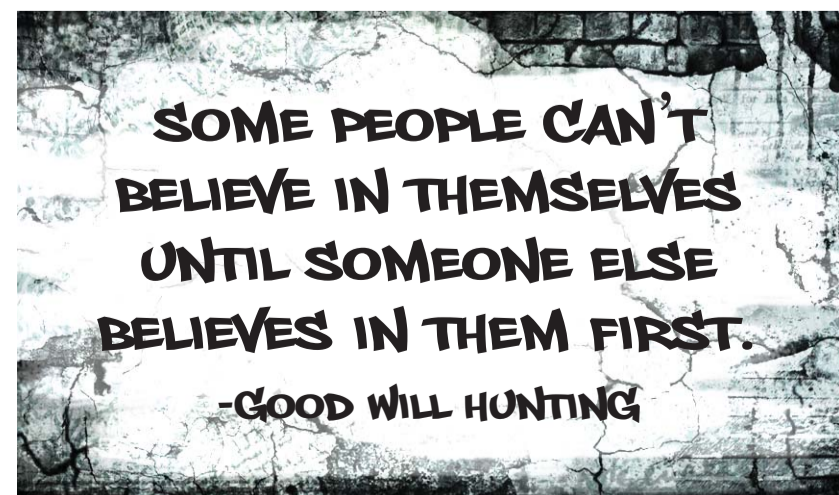
At this stage, I got into a huddle with Rajinder, the Sherpas and two Radio operators to organise our soldiers into three groups of ten each, prod them to erect the ten two-men tents we had carried and generally keep them moving about. The Sherpas also lit three stoves and set about brewing three Langar-degchis of extra sweet tea! Half a mug of warm brew and shakar-paras helped lift spirits all around and avert looming disaster from dehydration etc.

There was no acknowledgement of our Radio message but on 24 April, we were awoken by the drone of aircraft over Rimkin. In the next twenty minutes, two Dakotas dropped cargo, creating a cloud of floating white parachutes over Rimin. The "drop" had spread several hundred metres all around, which, combined with the fatigue

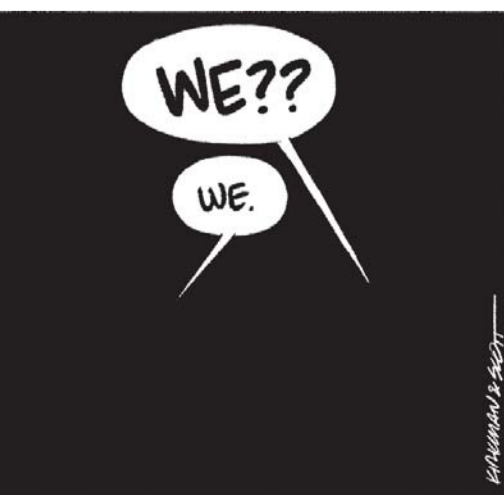
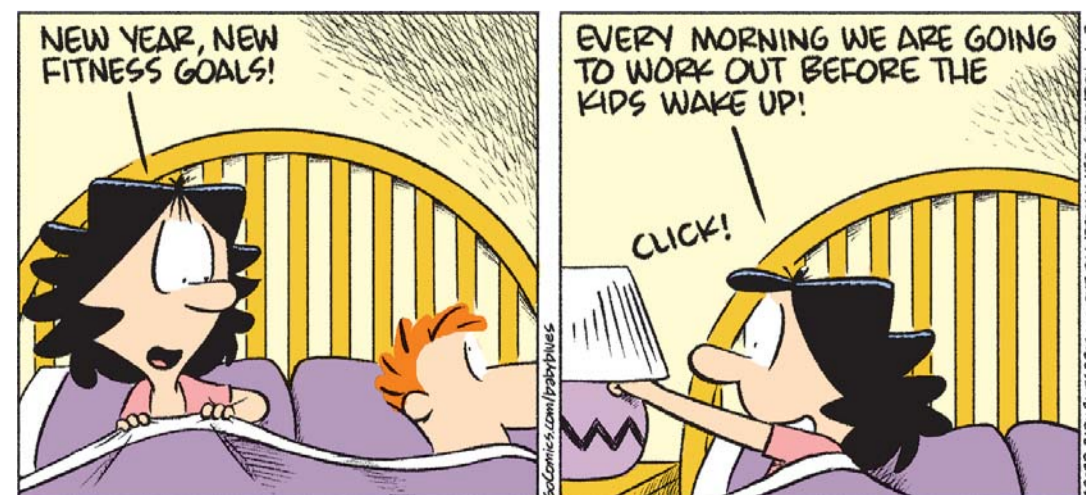


By Rick Kirkman & Jerry Scott

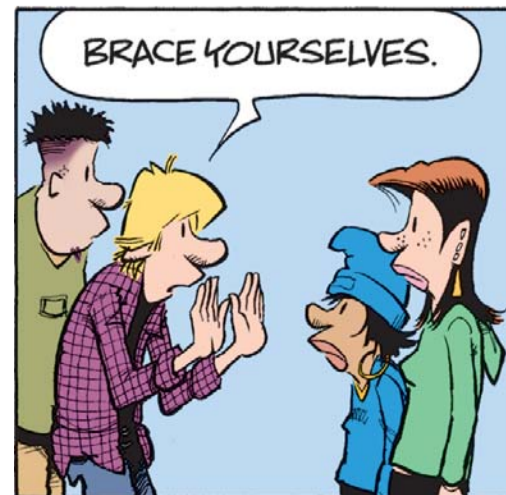
### THE WALL



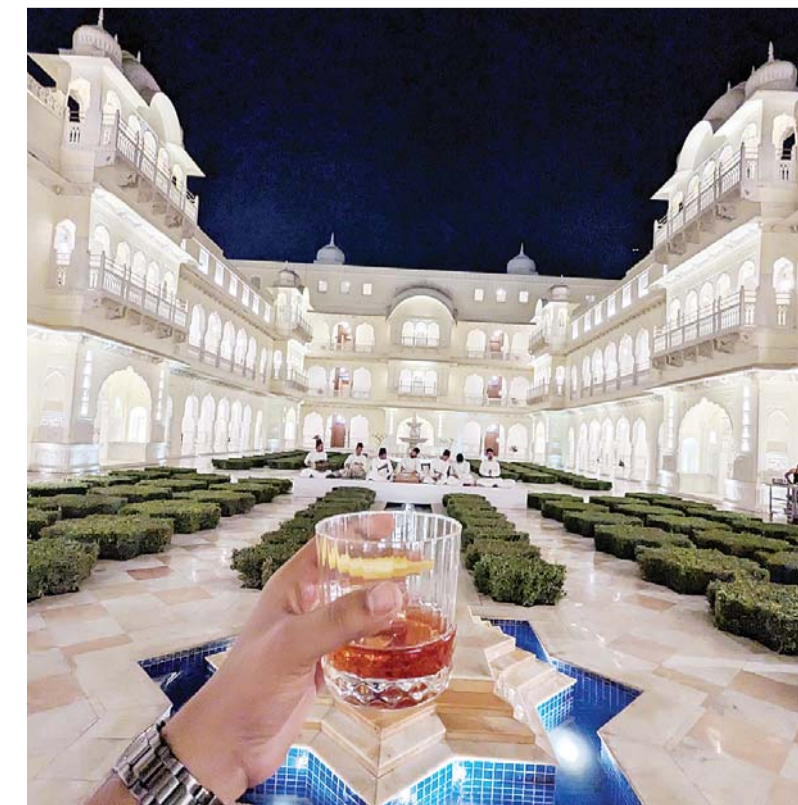
### BABY BLUES



### ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

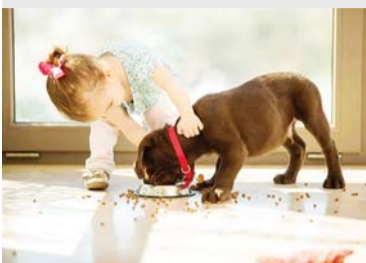


### Telecommuter Appreciation Week

Most who work for companies have to commute to work, dragging themselves along long stretches of road, stuck in traffic and stressed as a result. However, have you ever considered commuting as a better way to work for your boss? Telecommuter Appreciation day is all about learning what telecommuters do, appreciating their work, and seeing how you can change the way you view your work life as it sits.

### #RESEARCH

#### Toddlers Helping Dogs



Toddlers will go out of their way to help dogs, especially pups struggling to access out-of-reach treats and toys, according to new research.

The finding shows that young children notice and understand dogs' goals, using that knowledge to help them. "It's been known for a long time that toddlers will go out of their way to help struggling humans, even strangers," says Henry Wellman, professor emeritus of psychology at the University of Michigan.

"But perhaps such altruism is specially evolved for and targeted toward other humans (who after all might help them back). But no, it applies to other animals too, like dogs they will never see again."

Wellman and colleagues conducted experiments with three dogs-Fiona, Henry, and Seymour-at the University of Michigan's child laboratory between 2015 and 2020 to determine if young children spontaneously helped a pet.

The researchers studied 97 children (51 girls and 46 boys) ages 2 and 3 years, 44 of whom had dogs as pets. In the lab, the children met one of the friendly dogs in an enclosed baby gate fence while a treat or toy was placed outside it. Dogs reacted naturally, either showing interest (either pawing or begging) in accessing the item or ignoring it.



Children provided dogs with out-of-reach items 50% of the time when dogs showed interest rather than ignored items, indicating sensitivity to the dog's goals, the study shows.

In addition, children who lived with pet dogs were more likely to provide items to the pups in the experiment if two scenarios were present: the dogs were lively and engaged rather than subdued, and if the item was a treat rather than a toy.

"These findings lend support to our hypothesis that children's early-developing proclivities for goal-reading and pro-sociality extend beyond humans to other animals," says lead author and alumna Rachna Reddy, who is now a postdoctoral fellow in evolutionary anthropology at Duke University.

The researchers believe children's willingness to help goes beyond dogs.

### #FOOD-REVIEW

## Soulful Dining at Hyatt Regency



Innovation of modern cooking technology has and always will be celebrated. It is clean, efficient and promotes better hygiene alongside better and better techniques to take out more flavours. One thing that is not though, is that it lacks a certain sense of poetry.

Sure, a blender does a far better job of mincing out the silkiest chutney you can imagine but the romance that involves a dainty lady crushing herbs underneath decades old silbatta (a set of traditional crushing stone) is the stuff straight out of legends.

It involves the same level of romanticism where the Maharajas and Sheikhs of old would hunker down by the fire in the pitch-black forest and cook the day's hunt while sharing stories of bravado.

SHROT, inspired by the strong roots of our culture, the name literally means "Source" and treats us with regional delicacies that are sourced locally. Another such local delicacy that we enjoy is Thikri ki daal which is a simple vegetarian dal with another flame touched elemental twist.

As tradition goes in the rural Rajasthan, earthenware employed in kitchens impart their own flavours to the food cooked and/or stored in them over time. As these brittle utensils break, some of those pieces are charred in fire and then daal is tempered with them, thus the broken pot/pan imparts its final flavour before being completely discarded.

This rather sentimental dish, while checking all the taste boxes is something that makes me personally feel proud of the heritage

Well, a forest was tamed inside the lush gardens of Hyatt Regency, Mansarovar and a faint hint of the fires remained and with them remained the taste of charr and grill in the evening's menu. See, tandoori food, real tandoori food, the kind licked by red tongues of smouldering-sparking coals is something we feel we are familiar with but it has sadly been lost to a myriad of dishes revolving around chicken and paneer. When was the last time you had any other protein touched by smoke and charred to perfection?

One of the restaurants at this beautiful hotel offers just that. We have lamb shanks grilled to perfection carrying a smoke heavy taste accentuated by the spice rich marinade. Although we could see and taste the flames on our plates, sadly the fires remained hidden behind rows of electric hothouses that flanked both our sides. And yes, I know it was for health and safety, but still. That said, I do give thanks to the industrial-scale hot plates and convection burners as I want to have dinner, not become it.

SHROT, is one of the two restaurants of Hyatt Regency, Mansarovar and while the hotel caters primarily to big fat Indian weddings and doubles as an ultra-luxury hotel, SHROT prides itself in being a revival restaurant.

By that I mean it has dishes that were prepared by the khansaamas of the old royals and commoners that have remained



out of limelight for decades, perhaps centuries now. "We all know and love Laal Maans but over time, recipes such as Degchi Maans have been forgotten and we at SHROT are endeavouring to revive them," quoted Mr Prashant, the F&B Manager at Hyatt Regency, Mansarovar.

I call a win when the staff wants you to feel all their efforts reach deep within you.

Stark opposite to this quintessential local cuisine is the other restaurant at Hyatt Regency, Mansarovar named "The North Club" which has been dubbed as "Jaipur's very own". This club carries forward the timeless club cul-

ture which has engaged the elite since legendary establishments of such nature were conceived in our city. The cuisine, however, is inspired from something entirely different.

We have Salmon grilled to perfection alongside Roast Pork with a sweet sour glaze. These hail from the different colonies that existed all over India and have permanently left their mark on people, culture and cuisine.

The beautiful coastline of old French Pondicherry inspires the salmon while the Portuguese influenced Goa shows up in the Butter-basted double roti and channa. While SHROT takes an extremely nuanced approach in serving ultra-local and traditional food, The North Club takes you all around old India in plates.

The people behind Hyatt Regency, Mansarovar could definitely be the run-of-the-mill corporate hospitality trained brilliant staff but they become so much more. Their creativity and warmth both are proven when signature cocktails come flowing alongside traditional food which has not forgotten its roots but has donned on a more refined, meticulously created identity.

When was the last time you had any other protein touched by smoke and charred to perfection?



I call a win when the staff wants you to feel all their efforts reach deep within you.

Stark opposite to this quintessential local cuisine is the other restaurant at Hyatt Regency, Mansarovar named "The North Club" which has been dubbed as "Jaipur's very own". This club carries forward the timeless club cul-

ture which has engaged the elite since legendary establishments of such nature were conceived in our city. The cuisine, however, is inspired from something entirely different.

We have Salmon grilled to perfection alongside Roast Pork with a sweet sour glaze. These hail from the different colonies that existed all over India and have permanently left their mark on people, culture and cuisine.

The beautiful coastline of old French Pondicherry inspires the salmon while the Portuguese influenced Goa shows up in the Butter-basted double roti and channa. While SHROT takes an extremely nuanced approach in serving ultra-local and traditional food, The North Club takes you all around old India in plates.

The people behind Hyatt Regency, Mansarovar could definitely be the run-of-the-mill corporate hospitality trained brilliant staff but they become so much more. Their creativity and warmth both are proven when signature cocktails come flowing alongside traditional food which has not forgotten its roots but has donned on a more refined, meticulously created identity.









मेरा अनुभव कहत है कि इसका बचाव करना (स्वर्ण पदक) आसान नहीं है। और ना ही इसकी गारंटी है। इसके बहुत से कारण हो सकते हैं। शारीरिक क्षमता, तैयारियां आदि-आदि परंतु इसे हासिल भी किया जा सकता है। - डेविड रूडिशा

केनिया के पूर्व ओलंपिक चैम्पियन, नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक को लेकर।

## आज का खिलाड़ी



भारत की शीर्ष हरफनमौला दीपति शर्मा को आगामी महिला प्रीमियर लीग में शनिवार को यूपी वॉरियर्स का उप-कप्तान नियुक्त किया गया। इस 25 साल की खिलाड़ी को यूपी वॉरियर्स ने 2.6 करोड़ रुपये की बोली के साथ टीम से जोड़ा था। भारतीय महिला टीम की एक प्रमुख सदस्य दीपति देश को उन

क्या आप जानते हैं? ... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाये।

## दीपति शर्मा

चुनिदा खिलाड़ियों में से एक है जिसके पास विदेशों की फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव है। दीपति ने कहा, "हमें उम्मीद है कि कप्तान एलिसा हीली और अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ हम टीम को अच्छी तरह से काम करने और कुछ शानदार क्रिकेट खेलने में मदद कर सकते हैं।"

राष्ट्रदूत जयपुर, 26 फरवरी, 2023 5

## किम कॉटन, जैकलीन विलियम्स महिला ट्वंटी-20 विश्व कप फाइनल में मैदान अंपायर होगी

केपटाउन, 25 फरवरी। किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स रिवियर को यहां ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप फाइनल में मैदानी अंपायर की भूमिका निभाएंगी। न्यूजीलैंड की रहने वाली कॉटन का यह लगातार दूसरा विश्व कप फाइनल होगा। कॉटन सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की भारत के खिलाफ पांच रन की जीत में भी मैदानी अंपायर थी जबकि विलियम्स ने दक्षिण अफ्रीका की इंग्लैंड के खिलाफ छह रन की रोमांचक जीत में यह भूमिका निभाई थी। फाइनल के लिए चुनें रेडफेनम टीवी अंपायर जबकि निमाली पररा चौथे अंपायर की भूमिका निभाएंगी। जीएस लक्ष्मी को न्यूज़ीलैंड में होने वाले फाइनल के लिए मैच रेफरी नियुक्त किया गया है।

## शरत कमल, जी साथियान और मनिका बत्रा पेश करेंगे चुनौती

गोवा, 25 फरवरी। गोवा में 27 फरवरी से शुरू होने वाले विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) स्टार कंटेन्डर में अनुभवी शरत कमल और ज्ञानसेकरण साथियान के अलावा मनिका बत्रा भारत की तरफ से दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों के सामने चुनौती पेश करेंगी। डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में पांच मार्च तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय सितारे एक्शन में नजर आयेगे। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेन्डर की मेजबानी स्टुपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स कर रही है जिसमें गोवा सरकार के साथ-साथ डब्ल्यूटीटी और इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन के डेटा पार्टनर हैं जबकि टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया सपोर्टिंग पार्टनर हैं। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज अचंता शरथ कमल के साथ साथियान ज्ञानसेकरन, पायस जैन और वेस्ली डो रोसारियो भारत के लिए पुरुष एकल ड्रा में नेतृत्व करेंगे, जबकि महिला एकल में श्रीजा अकुला और सुहाना सैनी के साथ मनिका बत्रा भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। इवेंट का मुख्य ड्रा एक मार्च से शुरू होगा। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले अन्य शीर्ष खिलाड़ियों में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जापान के तोमाकानु हरिमोटो और दुनिया के छठे नंबर के स्वीडन के टूल्स मोरगार्ड, दुनिया के आठवें नंबर के चीनी टाड्डे के लिन यून-जू और दुनिया के नौवें नंबर के स्लोवेनिया के डाक्रेर् जोर्जिक भी शामिल है। महिला वर्ग में चैन के अलावा उनकी हमबत और दुनिया की नंबर एक सन थिंगशा ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। इसके साथ ही दुनिया की नंबर पांच खिलाड़ी जापान की हिना हयाता, दुनिया की नंबर आठ जापान की कासुमी इशिकावा खिताब के लिए दावेदारी पेश करेंगी। इन दिग्गज खिलाड़ियों को भारत की शीर्ष और दुनिया की 34 नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा की चुनौती का सामना करना होगा जो घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगी।

## फिरोजशाह कोटला में परसीना बहा रहे हैं लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाड़ी

नई दिल्ली 25 फरवरी। आगामी 31 मार्च से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए लखनऊ सुपरजाइंट्स की तैयारियां जोरों पर हैं। दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में आयोजित प्रशिक्षण कैंप में टीम के खिलाड़ी खूब परसीना बना रहे हैं और आईपीएल के नए सीजन के लिए खुद को पूरी तरह तैयार कर रहे हैं। शनिवार को सहायक कोच विजय दहिया ने खिलाड़ियों को फिटनेस, बॉलिंग और बैटिंग के टिप्स दिए। लखनऊ सुपरजाइंट्स टीम अपना पहला मैच एक अप्रैल को अपने होम ग्राउंड अटल बिहारी वाजपेई इकाणा स्टेडियम में दिल्ली के खिलाफ खेलेगी। इसे देखते हुए टीम प्रबंधन ने दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया है। चार दिवसीय इस कैंप में टीम के मेंटर (मार्गदर्शक) गौतम गंभीर, सहायक कोच विजय दहिया व टैलेंट स्कानडर मनविंदर बिसला खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। शनिवार को कैंप में सहायक कोच ने फिटनेस के साथ ही बॉलिंग व बैटिंग के गुर सिखाए। इसके साथ ही काफी देर तक अभ्यास भी कराया। परीक्षा में शामिल खिलाड़ियों ने इस कैंप को बेहद जरूरी बताया। टीम के ऑनग्राउंडर युद्धवीर सिंह चरक ने कहा कि प्रशिक्षण से सभी के अंदर आत्मविश्वास बढ़ रहा है। आईपीएल को लेकर हम सभी विशेष तैयारी कर रहे हैं।

# दक्षिण अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया में महिला टी-20 विश्व कप फाइनल आज

केपटाउन, 25 फरवरी। दक्षिण अफ्रीका को अगर अपने स्वनिष्ठ अभियान का सकारात्मक अंत करना है तो उसे रिविचार को यहां होने वाले महिला टी20 विश्व कप फाइनल में अब तक अजेय रहे ऑस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती से पार पाने का तरीका ढूंढना होगा। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में अपनी जुझारूपन का बेजोड़ नमूना पेश करके इंग्लैंड को उनटफेर का शिकार बनाया और उसे ऑस्ट्रेलिया पर जीत दर्ज करने के लिए इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत पड़ेगी। ऑस्ट्रेलिया को हराना किसी भी तरह से आसान नहीं होगा। वह रिकॉर्ड पांच बार का चैम्पियन है और लगातार सातवीं बार फाइनल में पहुंची थी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले 12 महीनों में अच्छी प्रगति की है। उसकी टीम पिछले साल वनडे विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी और अब उसने आईसीसी की

# धोनी एकमात्र शर्क्स जो वास्तव में मेरे करीब: विराट कोहली

धोनी फोन से अक्सर दूर रहते हैं। मैं उनको फोन करूं तो यह तय है कि 99 फीसदी वह फोन नहीं उठाएंगे मगर मेरे बुरे दौर में ऐसा दो बार हुआ जब उन्होंने मुझे मैसेज किया। उन्होंने लिखा कि जब लोग आपको मजबूत देखते हैं तो यह पूछना भूल जाते हैं कि आप कैसे हो। धोनी के मैसेज से मुझे अच्छा लगा। उन्होंने मुझे याद दिलाया कि मैं कौन हूं। धोनी इस बात को समझते हैं क्योंकि, वे भी इस दौर से गुजर चुके हैं।

बेंगलुरु, 25 फरवरी। भारतीय क्रिकेट के सफलतम कप्तानों में एक विराट कोहली ने कहा कि बचपन के कोच और परिवार के अलावा एमएस धोनी एकमात्र ऐसे व्यक्ति है जो वास्तव में उनके दिल के काफी करीब रहते हैं।

अपने 15 साल के क्रिकेट करियर में 106 टेस्ट, 271 वनडे और 115 टी20 मैचों में 25 हजार से अधिक रन बना चुके कोहली ने आरसीबी पॉडकास्ट सीजन 2 पर धोनी के साथ अपने रिश्तों का खुलासा करते हुये कहा मैं अपने करियर में कई बदलावों से गुजरा हूँ। इस दौरान अनुष्का मेरी सबसे बड़ी ताकत रही। वे हर अच्छे बुरे वक्त में मेरे साथ खड़ी रहीं वहीं बचपन के कोच और परिवार के अलावा एकमात्र व्यक्ति धोनी थे, जिन्होंने मुझसे संपर्क किया और मेरा हांसला बढाया।



कोहली ने 2008 से 2019 के बीच भारत के ड्रेसिंग रूम में धोनी के साथ बिताये लम्हो को साझा करते हुये कहा धोनी फोन से अक्सर दूर रहते हैं। मैं उनको फोन करूं तो यह तय है कि 99 फीसदी वह फोन नहीं उठाएंगे मगर मेरे बुरे दौर में

ऐसा दो बार हुआ जब उन्होंने मुझे मैसेज किया। उन्होंने लिखा कि जब लोग आपको मजबूत देखते हैं तो यह पूछना भूल जाते हैं कि आप कैसे हो। धोनी के मैसेज से मुझे अच्छा लगा। उन्होंने मुझे याद दिलाया कि मैं कौन हूँ। धोनी इस बात को समझते हैं क्योंकि, वे भी इस दौर से गुजर चुके हैं।

न मशीन के नाम से मशहूर विराट ने कहा, यह मायने नहीं रखता की आपके पास कितना अनुभव है या अपने कितने मैच खेले हैं। बल्कि यह बहुत जरूरी है कि जब आप मैच खेलने उतरें तब आप में खुद पर कितना भरोसा है। अगर आपका आत्मविश्वास मजबूत है तो आप अपने पहले ही मैच में शतक मार सकते हो।

उन्होंने कहा कि धोनी ने मुझसे कहा मुझे हमेशा ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया है जो बहुत आत्मविश्वासी है,

## दिल्ली में एक सत्र को छोड़कर, ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन शानदार रहा है: मैक्सवेल

मेलबर्न, 25 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खेन मैक्सवेल का मानना है कि भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़कर उनकी टीम का प्रदर्शन पहले दो टेस्ट मैचों में शानदार रहा है। दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की टीम मजबूत स्थिति में थी लेकिन मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में महज 52 रन के अंदर नौ विकेट गंवाकर टीम बैकफुट पर आ गयी। 'सिडनी मॉनिंग हेराल्ड' के मुताबिक मैक्सवेल ने कहा, "मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत जज्बा दिखाया है। उस एक सत्र के अलावा मुझे लगा कि वे शानदार रहे हैं। वह बहुत मुश्किल जाग (टेस्ट मैच के लिए) हैं। वहां खेलना आसान नहीं है। हमारे लिए वहां की परिस्थिति काफी अलग है।" इस दौर की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में वापसी करने वाली मैक्सवेल ने कहा, "मुझे ऐसा लगता है,



हमने बराबरी की टक्कर दी और हमारा प्रदर्शन भारत के बराबर ही रहा है। टीम ने काफी हांसला दिखाया।" ऑस्ट्रेलिया के मीजूदा खिलाड़ियों में स्टीव स्मिथ के अलावा मैक्सवेल एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारत में टेस्ट शतक बनाया है। पर में फ्रैक्चर के कारण पांच महीने तक खेल से दूर रहे मैक्सवेल ने कहा, "यह बस थोड़ा और जज्बा दिखाने के बारे में है। भारत के खिलाफ जब हम मैच में हावी होंगे तो हमें उन पलों पर और अधिक दैर तक पकड़ बनानी होगी।" इस हरफनमौला ने कहा, "तीसरे दिन (दिल्ली) की शुरुआत में मुझे लगा कि हम मैच में बहुत आगे हैं।

## रियो ओपन के अंतिम चार में अल्कराज ने किया प्रवेश

रियो डी जनेरियो 25 फरवरी। शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कराज ने दुसान लाजोविच को 6-4, 7-6 से हराकर एटीपी 500 रियो ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 19 वर्षीय स्वीनयार्ड ने अपने पहले सर्विस पॉइंट्स में से 71 प्रतिशत जीते और जॉकी क्लब ब्रासीलेरो के आउटडोर क्ले पर एक घंटे 54 मिन्ट के खेल में छह ब्रेक अवसरों में से चार को परिवर्तित किया।

अलकराज ने संवाददाताओं से कहा, मैं यहां आने के बाद से अब तक का सबसे अच्छा खेला हूँ। दुसान ने शारीरिक और मानसिक शक्ति दिखाई, और गेंद को बहुत अच्छी तरह से मारा लेकिन मैं उसे पार करने और यहाँ आगे बढ़ने में सक्षम था। शनिवार के सेमीफाइनल में अल्कराज का प्रतिद्वंद्वी चित्ली के निकोलस जैरी होंगे।

# ऑस्ट्रेलिया ने पहली गेंद पड़ने से पहले ही खुद-के मुंह पर घूसा जड़ दिया था: ग्रेग चैपल

सिडनी, 25 फरवरी। आस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी ग्रेग चैपल ने माइक टायसन का हवाला देते हुए भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में अपनी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि 'मेहमान टीम ने पहली गेंद पड़ने से काफी पहले ही अपने मुंह पर घूसा जड़ दिया था।' ऑस्ट्रेलिया चार टेस्ट मैच के पहले दोनों मैच हार कर पहले ही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी गंवा चुका है। दोनों टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर समाप्त हुए जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की पूर्व क्रिकेटर्स ने कड़ी आलोचना की। चैपल ने कहा, "वह माइक



टायसन थे जिन्होंने इवांडर होलीफील्ड के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा था, हर किसी के पास तब तक की योजना होती है जब तक कि उसके मुंह पर घूसा न पड़ जाए।" उन्होंने

सिडनी मॉनिंग हेराल्ड में लिखा, "पहले दो टेस्ट मैच देखने के बाद मेरी चिंता यह है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली गेंद पड़ने से काफी पहले ही अपने मुंह पर घूसा जड़ दिया था।" चैपल ने भारत के वर्तमान दौर के लिए ऑस्ट्रेलिया की तैयारियों और योजनाओं पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, "रणनीति तैयार करना एक बात है लेकिन उसे त्रुटिपूर्ण आधार पर तैयार नहीं करना बेकार की कवायद है।" नागपुर में पहला टेस्ट मैच पारी और 132 रन से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दिल्ली में सिर्फ एक तेज गेंदबाज कप्तान पैट कर्मिंस के साथ

## भारतीय स्पिनरों के खिलाफ अपने फुटवर्क से संतुष्ट हेड इंदौर में भी करेंगे आक्रामक बल्लेबाजी



नयी दिल्ली, 25 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के वामहस्त बल्लेबाज ट्रेविस हेड एक मार्च से इंदौर में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में भारतीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक रवैया बनाये रखने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट तीन के दिन के अंदर हार का सामना करना पड़ा था और टीम रविवार को मैच खत्म होने के बाद यही रुकी रही। कोहनी में फ्रैक्चर के कारण सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर स्वदेश लौट गये हैं ऐसे में एक मार्च से इंदौर में शुरू होने वाले

उतरने का फैसला किया। उसने स्कॉट बोलेड को बाहर कर दिया और बाएं हाथ के स्पिनर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली गेंद पड़ने से काफी पहले ही अपने मुंह पर घूसा जड़ दिया था।" चैपल ने भारत के वर्तमान दौर के लिए ऑस्ट्रेलिया की तैयारियों और योजनाओं पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, "रणनीति तैयार करना एक बात है लेकिन उसे त्रुटिपूर्ण आधार पर तैयार नहीं करना बेकार की कवायद है।" नागपुर में पहला टेस्ट मैच पारी और 132 रन से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दिल्ली में सिर्फ एक तेज गेंदबाज कप्तान पैट कर्मिंस के साथ

उन्होंने कहा, "हमारे समूह में हर खिलाड़ी दूसरे का समर्थन करता है। हम दिल्ली में खेले गए मैच से सकारात्मक पहलुओं को देख रहे हैं। पहली पारी में इससे रन बनाने में मदद मिलती है। अगर गेंद विकेट के करीब टप्पा खा रही है तो आप अगले पार का इस्तेमाल कर सकते हैं। अच्छी गेंदों पर रक्षत्मक खेल के साथ आपको उसका सम्मान करना होगा।"

उन्होंने कहा, "हमारे समूह में हर खिलाड़ी दूसरे का समर्थन करता है। हम दिल्ली में खेले गए मैच से सकारात्मक पहलुओं को देख रहे हैं। पहली पारी में इससे रन बनाने में मदद मिलती है। अगर गेंद विकेट के करीब टप्पा खा रही है तो आप अगले पार का इस्तेमाल कर सकते हैं। अच्छी गेंदों पर रक्षत्मक खेल के साथ आपको उसका सम्मान करना होगा।"

## भारतीय एथलीटों को कोचिंग देने को तैयार है रूडिशा

नयी दिल्ली, 25 फरवरी। ओलंपिक 800 मीटर स्पर्धा में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले कोनिया के डेविड रूडिशा अपने शानदार करियर के खत्म होने के बाद भारतीय फरट्रा और मध्यम दूरी के धावकों को प्रशिक्षण देने के लिए तैयार हैं। आठ सौ मीटर स्पर्धा में दो बार के विश्व चैम्पियन रूडिशा ने लंदन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के चार साल बाद रियो में अपने प्रदर्शन को जीताया था। उन्होंने कहा कि चार साल में होने वाले इन खेलों में लगातार पदक जीतना आसान नहीं है, लेकिन भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस उपलब्धि को हासिल कर सकते हैं। इसके लिए हालांकि उन्हें उसी तरह की प्रशिक्षण और अभ्यास की जरूरत होगी जैसा कि वह 2020 टोक्यो खेलों से पहले करते थे। रूडिशा ने कहा कि उनका 'पेशेवर करियर के खत्म होने की कगार' पर पहुंच गया है और खेल को अलविदा कहने के बाद वह कोच के तौर पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं। उसे जब पूछा गया कि क्या वह अपने पेशेवर करियर के खत्म होने के बाद भारतीय फरट्रा और मध्यम दूरी के धावकों को प्रशिक्षित करने के इच्छुक होंगे तो उन्होंने फरट्रा, "देखिये मैंने स्तर एक और स्तर दो के कोचिंग कार्यक्रमों को पूरा किया है। मुझे नयी शुरुआत करनी है और वह (कोचिंग) एक विकल्प हो सकता है। कोच के लिए एक ही सीमा नहीं है। आप एक शिक्षक की तरह हैं और जो सीखना चाहता है उसका स्वागत है।" रूडिशा रविवार को होने वाले अपोलो टायर्स नयी दिल्ली मैराथन की ब्रांड दूत के रूप में यहां पहुंचे हैं। वह उन कुछ ट्रेक एथलीटों में से एक हैं जिन्होंने ओलंपिक में लगातार दो स्वर्ण जीते हैं।

इस्माइल और अयाबोंगा खाका के रूप में दो उपयोगी तेज गेंदबाज हैं। दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में दर्शकों का भी अपार समर्थन मिलेगा लेकिन उसके खिलाड़ियों को किसी तरह से दबाव में आने से बचना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराया था लेकिन खिताबी मुकाबले में वह किसी भी तरह से दिखाई नहीं बरतना चाहेगा। महिला क्रिकेट की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया के पास खेल के हर विभाग में दमदार खिलाड़ी हैं। सेमीफाइनल में उसने जिस तरह से भारत के मुंह से जीत छीनी उससे साबित हो गया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी गेंद पड़ने तक भी अपनी जीत तय नहीं माननी चाहिए। जब परिस्थितियां अनुकूल न हों तब भी जीत कैसे दर्ज करनी होती है यह मंग लैनिंग की अगुवाई वाली टीम अच्छी तरह से जानती है।



